भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड

सैक्टर 19-बी, मध्य मार्ग,चण्डीगढ़

प्रैस विज्ञप्ति   दिनांक 19.7.2018

विषयः   बीबीएमबी के जलाशयों में अंतर्वाह में ऐतिहासिक गिरावट - बीबीएमबी द्वारा पणधराकों से मानसून के वर्षा जल का अधिक से अधिक प्रयोग करने का अनुरोध

चण्डीगढ़ः भाखड़ा तथा पौंग जलाशयों में माह मार्च, 2018 से आज तक अंतर्वाह बहुत कम रहा है। 1 मार्च, 2018 से 19 जुलाई, 2018 तक भाखड़ा जलाशय में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अंतर्वाह 9,93,247 क्यूसेक दिन कम प्राप्त हुआ। इसी प्रकार पौंग जलाशय में भी इसी अवधि के दौरान 5,18,065 क्यूसेक दिन कम अंतर्वाह प्राप्त हुआ। 19 जुलाई, 2018 को पौंग तथा भाखड़ा जलाशयों में अंतर्वाह में पिछले वर्ष के इसी दिन की तुलना में क्रमशः 80% और 38% की गिरावट आई है। आज पौंग तथा भाखड़ा का जलाशय स्तर पिछले वर्ष के इसी दिन के जलस्तर की तुलना में क्रमशः 36.88 फीट और 77.2 फीट कम है। 1 मार्च से 10 जुलाई, 2018 तक सतलुज नदी में अंतर्वाह पिछले वर्ष की तुलना में 46% कम और शुष्कतम वर्ष 2004 की तुलना में 8% कम है।

अभी तक भागीदार राज्यों की मांग के अनुसार और मानसून के अच्छे मौसम को ध्यान में रखते हुए भाखड़ा तथा पौंग जलाशयों से पानी छोड़ा जाता रहा है। इस संकट कालीन स्थिति पर विचार करते हुए, बीबीएमबी जलाशयों के स्तर की ध्यानपूर्वक निगरानी कर रहा है और भागीदार राज्यों के सिंचाई विभागों के मुख्य अभियन्ताओं के साथ-साथ केन्द्रीय जल आयोग तथा आईएमडी के प्रतिनिधियों के साथ तकनीकी समिति की महीने में दो से तीन आपात्कालीन बैठकें भी संचालित कर रहा है। बीबीएमबी ने भागीदार राज्यों से मानसून जल को संरक्षित करने और इसका अधिकतम सीमा तक उपयोग करने का अनुरोध किया है ताकि जलाशयों में 21 सितम्बर, 2018 से प्रारम्भ हो रही आगामी रिक्तीकरण अवधि के दौरान उपयोग हेतु जल का भण्डारण किया जा सके।

अच्छे मानसून के पूर्वानुमान को देखते हुए बीबीएमबी आशांवित है कि 20 सितम्बर, 2018 तक की शेष भराई अवधि के दौरान इसके जलाशयों में पर्याप्त भण्डारण हो जाएगा। तथापि सभी भागीदार राज्यों से अनुरोध किया गया है कि वे सभी पणधारियों को मानसून के उपलब्ध वर्षा जल के अधिकतम और उचित उपयोग हेतु परामर्श जारी करें।

सचिव

सेवा में

समाचार सम्पादक